

स्वतंत्रता दिवस पर BSNL का ग्राहकों को बड़ा तोहफा, 1 से लेकर 412 दिन की वैधता तक कई ऑफर, ब्रॉडबैंड में 5000GB डेटा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अगस्त। स्वतंत्रता दिवस से पहले भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) ने अपने ग्राहकों के लिए कई आकर्षक ऑफर पेश किए हैं। मोबाइल से लेकर हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड और ग्रामीण FTTH कनेक्शन तक अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं लाई गई हैं। खास बात यह है कि

इनमें 1 का FREEDOM PLAN, 2399 का 412 दिन की वैधता वाला प्रीपेड प्लान और 1111 का 200 Mbps ब्रॉडबैंड प्लान शामिल है। BSNL के इन ऑफरों में अनलिमिटेड कॉलिंग, भरपूर डेटा और OTT मनोरंजन सेवाओं का कॉम्बिनेशन ग्राहकों को दिया जा रहा है। कंपनी ने इन योजनाओं को स्वतंत्रता दिवस अभियान से जोड़ते हुए “ज्यादा दिन, ज्यादा डेटा, ज्यादा आजादी”

और HUNGAMA PLAY जैसी मनोरंजन सेवाएं शामिल हैं। BSNL के अनुसार यह प्लान तेज इंटरनेट, स्ट्रीमिंग और घरेलू कनेक्टिविटी को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

पहले छह महीने हर महीने 88 की बचत

BSNL के इस ब्रॉडबैंड ऑफर में शुरूआती

छह महीनों के लिए विशेष लॉन्च लाभ दिया जा रहा है। नियमित 1199 प्रतिमाह की कीमत की तुलना में ग्राहक इसे 1111 प्रतिमाह से ले सकेंगे। यानी शुरूआती छह महीनों में हर महीने 88 की बचत होगी।

1 में FREEDOM PLAN, नए मोबाइल ग्राहकों के लिए खास ऑफर

मोबाइल ग्राहकों के लिए BSNL ने 1 FRC-1 FREEDOM PLAN पेश किया है। नए ग्राहकों को इसमें निःशुल्क SIM, भारत में अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग, प्रतिदिन 1GB डेटा और रोजाना 100 SMS मिलेंगे। इस प्लान की वैधता 24 कैलेंडर दिवस है। ऑफर 12 अगस्त से 12 सितंबर 2026 तक लागू रहेगा। नया BSNL SIM लेने या मौजूदा नंबर को BSNL नेटवर्क पर पोर्ट कराने के लिए ग्राहक नजदीकी BSNL उपभोक्ता सेवा केंद्र अथवा अधिकृत BSNL रिटेलर से संपर्क कर सकते हैं।

2399 में 412 दिन की वैधता

लंबी वैधता चाहने वाले ग्राहकों के लिए BSNL ने 2399 प्रीपेड प्लान पर भी स्वतंत्रता दिवस विशेष ऑफर दिया है। इसमें सामान्य 365 दिनों की वैधता के ऊपर 47 दिन अतिरिक्त जोड़े गए हैं। यानी ग्राहक को कुल 412 दिनों की वैधता मिलेगी। प्लान में प्रतिदिन 2GB डेटा, 100 SMS और अनलिमिटेड लोकल एवं STD कॉलिंग का लाभ शामिल है। यह विशेष ऑफर भी 12

अगस्त से 12 सितंबर 2026 तक लागू रहेगा।

गांवों में FTTH बढ़ाने की तैयारी, 259 से RURAL EN-TRY PLAN

BSNL ने ग्रामीण क्षेत्रों में हाई-स्पीड इंटरनेट की पहुंच बढ़ाने के लिए “WINNING COMBO” भी पेश किया है। इसके तहत 259 RURAL ENTRY PLAN और 199 OTT ADD-ON का कॉम्बिनेशन ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। 259 के RURAL ENTRY PLAN में अनलिमिटेड डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग, निःशुल्क इंस्टॉलेशन और मॉडेम का लाभ दिया जा रहा है। इसके साथ 199 के OTT ADD-ON में मनोरंजन सेवाओं का विकल्प उपलब्ध है। BSNL का फोकस ग्रामीण परिवारों तक FTTH कनेक्शन पहुंचाने के साथ उन्हें इंटरनेट और मनोरंजन दोनों सुविधाएं एक साथ उपलब्ध कराने पर है।

एक तरफ सस्ता डेटा, दूसरी तरफ OTT का पूरा पैकेज

BSNL के स्वतंत्रता दिवस ऑफरों में एक बात साफ दिखाई देती है—कंपनी मोबाइल कनेक्टिविटी के साथ अब हाई-स्पीड इंटरनेट, लंबी वैधता और OTT मनोरंजन को भी एक ही पैकेज में जोड़कर ग्राहकों को आकर्षित करने पर जोर दे रही है।

48 करोड़ के रेलवे टेंडर का बिल पास कराने के लिए 1.20 लाख की रिश्वत! बीकानेर में CBI के ट्रैप से मचा हड़कंप

24 न्यूज अपडेट

बीकानेर। करीब 48 करोड़ रुपए के रेलवे टेंडर से जुड़े बिलों का भुगतान आगे बढ़ाने और उन्हें पास कराने की एवज में रिश्वत मांगने के आरोप ने रेलवे महकमे में हलचल मचा दी है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने कार्रवाई करते हुए दो रेलवे कार्मिकों को 1 लाख 20 हजार रुपए की कथित रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक सीनियर सेक्शन ऑफिसर और एक अन्य रेलवे कर्मचारी बताया जा रहा है। CBI की यह कार्रवाई गुरुवार शाम ढोला मारु होटल के पास रेलवे के कंस्ट्रक्शन विंग स्थित कार्यालय में हुई। जांच एजेंसी की अचानक हुई कार्रवाई से कार्यालय में हड़कंप मच गया। कार्रवाई के बाद रेलवे के अधिकारी पूरे मामले पर खुलकर बोलने से बचते नजर आए।

48 करोड़ के काम की फाइल, 1.20 लाख की रिश्वत का आरोप

मामला कोलकाता की MRT कंपनी से जुड़े करीब 48 करोड़ रुपए के टेंडर का बताया जा रहा है। आरोप है कि टेंडर के तहत किए गए कार्यों से संबंधित बिलों को पास कराने और भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए रेलवे के दोनों कार्मिकों ने कंपनी से 1 लाख 20 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत की रकम भले ही टेंडर की कुल राशि के मुकाबले छोटी हो, लेकिन मामला इसलिए गंभीर माना जा रहा है क्योंकि आरोप रेलवे के एक बड़े निर्माण कार्य से जुड़े भुगतान की प्रक्रिया

को प्रभावित करने का है।

शिकायत मिली तो CBI ने पहले सत्यापन किया, फिर बिछाया जाल

रिश्वत की मांग को लेकर CBI को शिकायत मिली थी। जांच एजेंसी ने सीधे कार्रवाई करने के बजाय पहले शिकायत का सत्यापन किया। शिकायत में तथ्य प्रथम दृष्टया सही पाए जाने के बाद ट्रैप की योजना तैयार की गई। इसके बाद शिकायतकर्ता पक्ष की ओर से तय रकम लेकर व्यक्ति रेलवे कार्यालय पहुंचा। जैसे ही 1 लाख 20 हजार रुपए की रिश्वत लेने की कथित प्रक्रिया पूरी हुई, CBI की टीम ने दोनों रेलवे कार्मिकों को दबोच लिया। कार्रवाई के दौरान जांच एजेंसी ने मौके से संबंधित दस्तावेज और अन्य साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू की।

अब बिलों से लेकर पूरे टेंडर की जांच के घेरे में CBI की कार्रवाई अब केवल रिश्वत की रकम तक सीमित नहीं रहने वाली है। जांच एजेंसी रेलवे के संबंधित बिलों, भुगतान प्रक्रिया, टेंडर से जुड़े दस्तावेजों और आरोपियों की भूमिका की पड़ताल कर रही है। करीब 48 करोड़ रुपए के टेंडर से जुड़े भुगतान में रिश्वत की मांग का आरोप सामने आने के बाद यह भी जांच का विषय है कि संबंधित बिल किस स्तर पर लंबित थे, उन्हें पास कराने का अधिकार किन अधिकारियों के पास था और दोनों आरोपियों की इस प्रक्रिया में वास्तविक भूमिका क्या थी। CBI की ट्रैप कार्रवाई की खबर फैलते ही रेलवे महकमे में हलचल तेज हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारी फिलहाल आधिकारिक तौर पर विस्तृत जानकारी देने से बच रहे हैं।



देश की ज़मीन से, उम्मीदों के भविष्य तक



विकसित भारत की ताकत

हिन्दुस्तान जिंक की ओर से

80

स्वतंत्रता दिवस

की शुभकामनाएं



विश्व का सबसे बड़ा
जिंक उत्पादक



टॉप 10
चांदी उत्पादकों में शामिल

Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, INDIA. www.hzindia.com

<https://www.linkedin.com/company/hindustanzinc/>

<https://www.facebook.com/HindustanZinc/>

https://x.com/Hindustan_Zinc_

https://www.instagram.com/hindustan_zinc/

संपादकीय : सदन का समय

एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद जनहित से जुड़े मुद्दों पर बहस का सर्वोच्च मंच होता है, तो ऐसे में सरकार और विपक्ष की जिम्मेदारी हो जाती है कि वे इसकी उपयोगिता और महत्त्व को कायम रखें। विडंबना यह है कि जब भी संसद का सत्र शुरू होता है, किसी न किसी मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच असहमति एक टकराव में तब्दील हो जाती है और दोनों सदनों का ज्यादातर समय बेकार चला जाता है। एक ओर विपक्षी पार्टियां सरकार से किसी मुद्दे पर जवाब की मांग करती हैं, तो दूसरी ओर सरकार आमतौर पर ऐसी मांगों की अनदेखी करने का रुख अख्तियार कर लेती है। नतीजतन, हंगामे और सदन को स्थगित किए जाने के समांतर विपक्ष के बहिर्गमन के बीच संसद की कार्यवाही महज औपचारिकता बन कर रह जाती है। जबकि इसी बीच सरकार अपनी सुविधा के मुताबिक ऐसे मसलों पर तैयार विधेयकों को भी बिना चर्चा के पारित करा लेती है, जिन पर विपक्षी दलों के विचार और व्यापक बहस की जरूरत होती है। इस सत्र में कई विधेयकों को पारित करने में इतना कम वक्त लगा, मानो उसके लिए महज औपचारिकता निभाई गई हो। सवाल है कि इस तरह की स्थितियों में संसद और लोकतंत्र की क्या अहमियत रह जाती है। मानसून सत्र के तीन सप्ताह जिस तरह सिर्फ हंगामे और विपक्ष के बहिर्गमन के दौरान बार-बार स्थगित होते हुए गुजर गए, उससे एक बार फिर यह सवाल उठा है कि क्या संसद को अब सिर्फ दिखावे का ठिकाना मान लिया गया है! वरना क्या वजह है। कि एक ओर विपक्षी दलों की ओर से पूरे सत्र के दौरान नीट प्रश्नपत्र लीक, राम मंदिर दान राशि में कथित गड़बड़ी और विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन पर पुलिस की कार्रवाई के

यातना के स्कूल

देशभर में स्कूली बच्चों को शारीरिक दंड देने पर कड़ी पाबंदी है। बावजूद इसके आए दिन राज्यों से ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिनसे लगता है कि शिक्षकों को न तो अपने दायित्व का बोध है, न शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा 17 (एक) की फिक्र। विद्यालयों में शिक्षक आज भी विद्यार्थियों को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने से बाज नहीं आ रहे। बीती बीस जुलाई को तमिलनाडु के सेनकासी जिले के एक सरकारी स्कूल में दसवीं कक्षा की छात्राओं के साथ जो बर्ताव किया गया, वह उनके लिए एक बुरे सपने की तरह था। खबरों के मुताबिक आरोपी शिक्षिका ने दस छात्राओं को बेंत से इस कदर पीटा कि उनके हाथों में गंधीर चोटें आईं और वे परीक्षा देने में भी असमर्थ हो गईं। दरअसल, शिक्षिका ग्यारहवीं कक्षा को पढ़ा रही थीं, तभी बगल की दसवीं कक्षा में शोरगुल से वे इतनी नाराज हो गईं कि उन्होंने कक्षा में जाकर छात्राओं को बुरी तरह पीटा। इस दौरान उन्होंने शिक्षण और स्कूल परिसर के सभी नियमों को ताक पर रख दिया। गौरतलब है कि विद्यालयों में किसी भी स्थिति में शारीरिक

मुद्दे पर सरकार को घेरा गया, संबंधित और जिम्मेदार मंत्रियों से जवाबदेही की मांग की गई, वहीं सरकार ने इस मसलों पर एक विचित्र चुप्पी ओढ़ रखी। खासतौर पर दिल्ली में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बेरहमी और पैलेट गन चलाने के सवाल पर विपक्ष ने जवाब मांगा, लेकिन गृह मंत्री ने आखिरी दिन इसे लेकर थोड़ी सक्रियता दिखाई, जो प्रकारांतर से बेमानी साबित हुई। अगर यही रख पहले जाहिर किया गया होता, तो संभव है कि संसद में कुछ मुद्दों और पेश किए गए विधेयकों पर बहस की गुंजाइश निकल पाती। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अलग-अलग मुद्दों पर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध कायम रहने की वजह से कार्य उत्पादकता लोकसभा में महज उन्नीस फीसद और राज्यसभा में उन्तालीस फीसद रही। अब इस बात पर चिंता जताने में शायद सभी दल शामिल होंगे कि संसद की कार्यवाही नहीं चलने की वजह से करोड़ों रूपए बर्बाद हो गए। यह समझना मुश्किल है कि संसद की कार्यवाही के दौरान मुद्दों पर मत-विरोध उभरने, सदन स्थगित किए जाने या विपक्ष के बहिर्गमन के तमाम उदाहरण सामने रहते हुए भी सरकार की ओर से कोई ऐसी पहल नहीं दिखती कि वह सत्र की शुरुआत से पहले सभी विपक्षी दलों को विश्वास में ले और जरूरी मुद्दों पर चर्चा सुनिश्चित करने। जिस तरह जनहित से जुड़े मामलों पर विधेयकों को बिना बहस या चर्चा के ही पारित कर दिए जाने की परंपरा चल पड़ी है, उसका सीधा असर जनता के अधिकारों और लोकतंत्र की सेहत पर पड़ेगा। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि संवाद, बहस या चर्चा संसद की कार्यवाही के जीवन तत्त्व हैं और इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सभी दलों की है, लेकिन इसके लिए सरकार की जवाबदेही ज्यादा बनती है।

मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने को शिक्षा का अधिकार अधिनियम का उल्लंघन माना गया है। फिर भी यह बात वरिष्ठ शिक्षिका कैसे भूल गई ? जब वे खुद इस अधिनियम का पालन नहीं कर रही, तो विद्यालय का परिवेश बच्चों के लिए कैसा होगा? पीड़ित छात्राओं में से एक छात्रा की माँ की शिकायत के बाद पुलिस ने शिक्षिका के खिलाफ मामला दर्ज किया। बेंट से जख्मी हुई छात्राओं को चिकित्सा सहायता दी गई, लेकिन सवाल यह है कि छात्राओं के मन-मस्तिष्क पर लगे जखम कैसे भरेंगे। आमतौर पर देखा गया है कि विद्यार्थियों पर पिटाई का न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक स्तर पर गहरा प्रभाव पड़ता है। कई बार विद्यार्थी का भावी जीवन और शिक्षण भी इससे प्रभावित होता है। पिटाई को ही एकमात्र हल मान लेने वाले शिक्षकों को क्या बच्चों के मनोविज्ञान की इतनी भी समझ नहीं होती ? ऐसी स्थिति में विद्यालयों में बच्चों को सुरक्षित वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का लक्ष्य कैसे पूरा होगा ? असुरक्षाबोध से ग्रस्त विद्यार्थी अगर स्कूल जाने से डरने लगें, तो निस्संदेह यह चिंता की बात होगी।

फतहसागर में शुरू हुई चिकलवास फीडर से पानी की आवक, रात 1 बजे से लगातार पहुंच रहा पानी, उदयसागर के गेट भी खुले



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। झीलों की नगरी के लिए

शुक्रवार सुबह राहत की खबर आई है। चिकलवास फीडर से फतहसागर की ओर पानी की आवक रात 1 बजे से शुरू हो गई, जो शुक्रवार सुबह तक लगातार

बड़ी में निकाली तिरंगा रैली, जगदीश चौक में हुई रंगोली प्रतियोगिता



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अगस्त। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर द्वारा राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय बड़ी के विद्यार्थियों के साथ तिरंगा रैली निकाली गई। साथ ही जगदीश चौक स्थित राजकीय

बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर के केन्द्र निदेशक डॉ. अश्विन एम. दलवी ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा अभियान के तहत राजकीय

उदयपुर: SP डॉ. अमृता दुहन

देश के शीर्ष 100 पुलिस अधिकारियों में शामिल



24 ન્યૂઝ અપડેટ

उदयपुर। फेम इंडिया-एशिया पोस्ट ने देश के 100 सर्वश्रेष्ठ पुलिस अधिकारियों की सूची जारी की है। इस सूची में उदयपुर की पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन का नाम शामिल है। राजस्थान से 6 IPS अधिकारियों को यह सम्मान मिला है। सूची में डॉ. दुहन के अलावा जैसलमेर एसपी अभिषेक शिहारे, बीकानेर एसपी मुदुल कच्छवाह, जालौर एसपी शैलेन्द्र सिंह इंदौलिया, सीकर एसपी प्रवीण नायक नूनावत और जयपुर ईस्ट डीसीपी रंजीता शर्मा का नाम भी है। डॉ. अमृता दुहन उदयपुर की पहली महिला पुलिस अधीक्षक हैं। 2016 बैच की राजस्थान कैडर की IPS अधिकारी डॉ. दुहन इससे पहले कोटा, प्रतापगढ़ और श्रीगंगानगर में पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत रह चुकी हैं। डॉ. दुहन मूल रूप से हरियाणा के रोहतक की रहने वाली हैं। उन्होंने एमबीबीएस, एमडी और DNB की शिक्षा प्राप्त की है। 2016 में उन्होंने UPSC प्रीक्षा पास कर IPS का पद हासिल किया। पुलिस प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने बेस्ट आउटडोर प्रोवेशनर और बेस्ट ऑन-राउंड प्रोवेशनर का पुरस्कार जीता था।

समाचार भेजने के लिए

हमारी मेल आई-डी पर
संपर्क करें -

desk24newsupdate@gmail.com

whatsapp : 8852073787

दैनिक भास्कर & पार्श्वनाथ ड्रीम होम्स

Presents

Quality & Luxury Flats

RERA REGISTRATION NO. - RAJ/P/2020/1183

इस 15 अगस्त से
अनूठे ऑफर्स का लाभ उठाएं।
आवास मेले में फ्लैट खरीदने पर
आकर्षक ऑफर्स
GST की पूरी छूट

फ्री रजिस्ट्री : फ्लैट बुकिंग पर रजिस्ट्री का खर्चा बिल्कुल मुफ्त!

मॉड्यूलर किचन : हर फ्लैट के साथ मॉडर्न मॉड्यूलर किचन मुफ्त।

एश्योर्ड गिफ्ट : मेले में आने वाले हर विजिटर के लिए आकर्षक गारंटेड गिफ्ट।

CHIEF MINISTER's
JAN AWAS YOJANA-2015

मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री
योजना का लाभ उठावें

पञ्चमंथी आवास योजना

AMENITIES

2 BHK

मात्र ₹. 25.11 लाख

सुपर लिफ्ट-अप एलिफ 780 वर्गफिट

मुख्य स्थानों
से दूरी

- देवारी चौराहे से 3.30 कि.मी. दूरी पर
- अम्बेरी चौराहे से 6.50 कि.मी. दूरी पर
- सुखेर चौराहे से 10 कि.मी. दूरी पर

शहर के नजदीक

उदयपुर-पिण्डवाड़ा 4 लेन हाईवे पर देवारी
चौराहे से मात्र 3 कि.मी. एवं अम्बेरी चौराहे
से मात्र 6 कि.मी. की दूरी पर स्थित

- सेलिब्रेशन मॉल से 12 कि.मी. दूरी पर
- फतहपुरा चौराहे से 14 कि.मी. दूरी पर
- सुखाड़िया सर्कल से 15 कि.मी. दूरी पर

1 BHK

मात्र ₹. 20.11 लाख

सुपर लिफ्ट-अप एलिफ 560 वर्गफिट

- उबोका हाईवे से 15 कि.मी. दूरी पर
- फतहपुरा चौराहे से 16 कि.मी. दूरी पर
- राणाप्रताप नगर रेलवे स्टेशन से 9 कि.मी. दूरी पर

इस ऐतिहासिक मेले में भाग लेने और ज्यादा जानकारी के लिए संपर्क करें 8875615999, 8875615777

सायरा में घर के बक्से से निकले बुजुर्ग दंपती के शव, प्लास्टिक की थैली में बंद थे दोनों, दो दिन से थे लापता



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के सायरा थाना क्षेत्र में बुजुर्ग दंपती की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुनावली गांव में शुक्रवार सुबह घर के अंदर रखे एक बक्से से 65 वर्षीय लहरीलाल पालीवाल और उनकी 62 वर्षीय पत्नी राधा देवी के शव बरामद हुए। दोनों 12 अगस्त की सुबह से लापता थे। शव प्लास्टिक की थैली में बंद कर बक्से के अंदर रखे गए थे और ऊपर बिस्तर डालकर बक्से को छिपाने की कोशिश की गई थी। पुलिस के अनुसार, घर से बदबू आने के बाद परिजनों और रिश्तेदारों ने तलाश शुरू की। बक्से से तेज दुर्गंध आने पर उसे खोला गया तो अंदर दोनों के शव देखकर हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सायरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सुरक्षित

कर जांच शुरू की। थानाधिकारी शैतान सिंह नाथावत ने बताया कि प्रथमदृष्टया दोनों की हत्या की आशंका है। आशंका है कि मंगलवार देर रात वारदात को अंजाम देने के बाद शवों को प्लास्टिक की थैली में भरकर बक्से में छिपाया गया। पुलिस संदिग्धों और आसपास के लोगों से पृष्ठताछ कर रही है।

दूध देने नहीं पहुंचे तो खुला मामला

लहरीलाल गांव में दूध बेचने का काम करते थे। बुधवार सुबह जब वे दूध देने नहीं पहुंचे तो पड़ोसी उनके घर पहुंचे। घर का दरवाजा खुला था, लेकिन अंदर बुजुर्ग दंपती मौजूद नहीं थे। पड़ोसियों ने गुजरात के राजकोट में नौकरी कर रहे उनके बेटे मनोहर को इसकी सूचना दी। मनोहर ने रिश्तेदारों को घर जाकर माता-पिता की तलाश करने के लिए कहा। काफी तलाश के बावजूद दोनों का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद मनोहर सायरा पहुंचे और पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

मंगलवार रात बेटे ने की थी मां से बात

मनोहर के अनुसार, मंगलवार रात उसकी मां राधा देवी से फोन पर बातचीत हुई थी। बातचीत के बाद दोनों सो गए थे। बुधवार सुबह उनके घर पर नहीं होने की जानकारी मिली। इसके बाद से परिवार उनकी तलाश में जुटा था।

एक दिन पहले ग्रामीणों ने किया था थाने का घेराव

बुजुर्ग दंपती के लापता होने के बाद गुरुवार को ग्रामीणों का आक्रोश भी सामने आया था। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने थाने का घेराव कर प्रदर्शन किया और पुलिस से दोनों को जल्द तलाशने की मांग की थी। इसके अगले ही दिन घर के बक्से से दोनों के शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बुजुर्ग दंपती की हत्या किसने और किस मकसद से की। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, कॉल डिटेल्स और संदिग्धों से पृष्ठताछ के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद मौत के कारणों और वारदात के तरीके की तस्वीर और स्पष्ट होगी।

भटेवर में व्यापारी की कार से बैग पार, CCTV में कैद हुआ चोर, 10 हजार नकद और टैबलेट ले उड़ा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। खेरोदा थाना क्षेत्र के भटेवर में सड़क किनारे खड़ी कार से बदमाश बैग चोरी कर फरार हो

गया। बैग में 10 हजार रुपए नकद और टैबलेट रखा हुआ था। पूरी वारदात आसपास लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई, जिसके आधार पर पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। व्यापारी जाकिर हुसैन इलेक्ट्रॉनिक सामान के सिलसिले में भटेवर आए थे। उन्होंने अपनी कार सड़क किनारे खड़ी की और पास की एक दुकान पर चले गए। जल्दबाजी में कार का शीशा बंद

करना भूल गए। कुछ देर बाद जब व्यापारी वापस लौटे तो कार से बैग गायब मिला। बैग में नकदी के साथ टैबलेट रखा हुआ था। आसपास तलाश करने के बाद भी जब बैग नहीं मिला तो पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची खेरोदा थाना पुलिस ने आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में एक युवक कार के पास पहुंचने और बैग लेकर मौके से भागते हुए नजर आया। पुलिस ने CCTV फुटेज को कब्जे में लेकर आरोपी की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश के लिए आसपास के इलाकों में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

राजस्थान में 23 जिलों में मंत्री फहराएंगे तिरंगा, उदयपुर में बाबूलाल खराड़ी; अलवर में संजय शर्मा-कलेक्टर आमने-सामने मंच साझा करेंगे

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। स्वतंत्रता दिवस पर राजस्थान के जिला मुख्यालयों में होने वाले ध्वजारोहण का कार्यक्रम तय हो गया है। इस



बार 23 जिला मुख्यालयों पर मंत्री तिरंगा फहराएंगे, जबकि राज्य स्तरीय समारोह बीकानेर में होगा, जहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ध्वजारोहण करेंगे। जिला स्तरीय समारोहों में सबसे ज्यादा राजनीतिक नजरे अलवर पर रहेंगी। यहां वन मंत्री संजय शर्मा ध्वजारोहण करेंगे। खास बात यह है कि 12 अगस्त को जिन अलवर कलेक्टर अर्तिका शुक्ला के खिलाफ मंत्री ने गंभीर आरोप लगाते हुए नगर निगम में धरना दिया था, स्वतंत्रता दिवस पर उन्हीं के साथ मंत्री को सरकारी मंच साझा करना होगा। प्रोटोकॉल के तहत कलेक्टर मंत्री की अगुआई करेंगे। ध्वजारोहण से लेकर सलामी और समारोह की अन्य औपचारिकताओं में दोनों एक ही मंच पर नजर आएंगे। कुछ ही दिन पहले दोनों के बीच सामने आए विवाद के बाद अब स्वतंत्रता दिवस का यह मंच प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों लिहाज से खास माना जा रहा है।

दोनों डिप्टी सीएम अलग-अलग जिलों में फहराएंगे झंडा

उपमुख्यमंत्री दीपा कुमारी अजमेर और उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा भीलवाड़ा में जिला स्तरीय समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। दोनों वहीं ध्वजारोहण करेंगे। वहीं मंत्रियों में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा सवाईमाधोपुर, गजेन्द्र सिंह खीबसर फलोदी, राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जयपुर, मदन दिलावर कोटा, कन्हैयालाल चौधरी टोंक और जोगाराम पटेल जोधपुर में तिरंगा फहराएंगे। सुरेश सिंह रावत भरतपुर, अविनाश गहलोत व्यावर, सुमित गोदारा हनुमानगढ़, जोराराम कुमावत पाली, बाबूलाल खराड़ी उदयपुर, हेमंत मीणा प्रतापगढ़, संजय शर्मा अलवर और गौतम दक चित्तौड़गढ़ में ध्वजारोहण करेंगे। इसके अलावा झावर सिंह खर्वा सीकर, हीरालाल नागर बूंदी, ओटाराम देवासी सिरौही, डॉ. मंजू बाघमार नागौर, विजय सिंह डीडवाना-कुचामन, केके विश्वादी बाड़मेर और जवाहर सिंह वेढम डीग में स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। जालोर में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ध्वजारोहण करेंगे।

18 मंत्री अपने गृह जिले में, तीन ने बदला जिला

इस बार दोनों डिप्टी सीएम और तीन मंत्रियों को छोड़कर बाकी 18 मंत्री अपने गृह जिलों में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण करेंगे। इनमें ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर अपने गृह जिले कोटा के बजाय बूंदी में, खाद्य मंत्री सुमित गोदारा बीकानेर के बजाय हनुमानगढ़ में और जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत अजमेर के बजाय भरतपुर में तिरंगा फहराएंगे। इन 16 जिलों में कलेक्टर करेंगे ध्वजारोहण जिन जिला मुख्यालयों पर मंत्री या अन्य निर्धारित जनप्रतिनिधि ध्वजारोहण नहीं करेंगे, वहां कलेक्टर स्वतंत्रता दिवस समारोह में तिरंगा फहराएंगे। इनमें झालावाड़, बारां, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, चूरू, झुंझुनूं, दौसा, करौली, धोलपुर, जैसलमेर, बालोतरा, खेरथल-तिजारा, कोटपुतली-बहरोड़, राजसमंद, सलूवर और श्रीगंगानगर शामिल हैं।

बीकानेर में मुख्यमंत्री करेंगे राज्य स्तरीय ध्वजारोहण

राजस्थान का राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह बीकानेर में आयोजित होगा। यहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ध्वजारोहण करेंगे। इसके साथ ही प्रदेशभर में जिला मुख्यालयों पर होने वाले समारोहों में मंत्री, उपमुख्यमंत्री, मुख्य सचेतक और कलेक्टर तिरंगा फहराएंगे।

अनन्ता हॉस्पिटल

एक विश्वास बेहतर ज़िंदगी का

स्वतंत्रता दिवस
हार्दिक शुभकामनाएँ

NABH
14-2023-1278

NABL
14-2023-1278

उत्कृष्ट स्वास्थ्य ही सच्ची स्वतंत्रता है

अनन्ता हॉस्पिटल की
उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएँ

दक्षिणी राजस्थान में कैंसर की जांच हेतु
पेट सीटी स्कैन व गामा कैमरा एवं
अत्याधुनिक रेडियेशन थेरेपी मशीन से
युक्त केंद्र

आपात स्थिति के लिए विश्वस्तरीय गहन
चिकित्सा ईकाई जिसके अंतर्गत
मेडिकल आईसीयू, सर्जिकल आईसीयू,
रेस्पिरिटरी आईसीयू, न्यूरो आईसीयू, बर्न
आईसीयू, कार्डियक आईसीयू,
सीटीवीएस आईसीयू, एनआईसीयू व
पीआईसीयू की सुविधा

त्वरित एवं सटीक जाँच के लिए
एमआरआई (1.5 टेस्ला), सीटी स्कैन,
4D कलर डॉपलर इत्यादि डायग्नोस्टिक
इमेजिंग तकनीक उपलब्ध

अनन्ता हॉस्पिटल अधिकृत है

- मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (MAA-Yojana)
- राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (RGHS)
- कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC)
- भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ECHS)
- महत्वपूर्ण टीपीए व इन्श्योरेंस

अनन्ता हिल्स, नेशनल हाईवे 8, तह. नाथद्वारा, जिला राजसमन्द - 313202

9722278615 / 9783305039 / 9783305082 / 9722278635



17 अगस्त को देशभर में सड़कों पर उतरेंगे मजदूर, BMS की चेतावनी-लंबित मांगों पर केंद्र से आर-पार की तैयारी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पेंशन, न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों को लेकर भारतीय मजदूर संघ (BMS) ने 17 अगस्त को देशभर में आंदोलन का ऐलान किया है। संगठन की राज्य इकाइयां जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन, रैली और धरने करेंगी। आंदोलन के बाद जिला प्रशासन

के जरिए प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री और श्रम मंत्री के नाम जापान सौंपे जाएंगे। BMS की केंद्रीय कार्य समिति ने आंदोलन को लेकर सभी 28 राज्य इकाइयों और 42 औद्योगिक फेडरेशनों को सक्रिय किया है। संगठन के मुताबिक जुलाई में रांची में हुई केंद्रीय कार्य समिति की बैठक में आंदोलन की रूपरेखा तय की गई थी। अब 17 अगस्त को देशभर में एक साथ प्रदर्शन के जरिए केंद्र सरकार तक मजदूरों की लंबित मांगों पहुंचाने की तैयारी है।

पेंशन और सामाजिक सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा BMS ने EPS-95 के तहत न्यूनतम पेंशन बढ़ाकर 7,500 रुपये प्रतिमाह करने की मांग उठाई है। संगठन चाहता है कि पेंशन को VDA और आयुष्मान भारत योजना से भी जोड़ा जाए। इसके अलावा ESI की वेतन सीमा 21 हजार से बढ़ाकर 42 हजार रुपये और EPF की सीमा 15 हजार से बढ़ाकर 30 हजार रुपये करने की मांग की गई है। BMS का तर्क है कि मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों और बढ़ती महंगाई को

देखते हुए इन सीमाओं में बदलाव जरूरी है।

बोनस और ग्रेच्युटी के नियम बदलने की मांग

BMS ने बोनस की गणना को पूरे वेतन के आधार पर करने और बोनस की गणना सीमा बढ़ाने की मांग रखी है। वहीं ग्रेच्युटी की गणना 15 दिन के वेतन के बजाय 30 दिन के वेतन के आधार पर करने की मांग की गई है। संगठन ने न्यूनतम वेतन तय करने के लिए भी नया फार्मूला लागू करने की मांग उठाई है, ताकि मजदूरों की आय को बढ़ती महंगाई के अनुरूप बनाया जा सके।

आंगनवाड़ी से NHM तक स्कीम वर्कर्स के मानदेय का मुद्दा

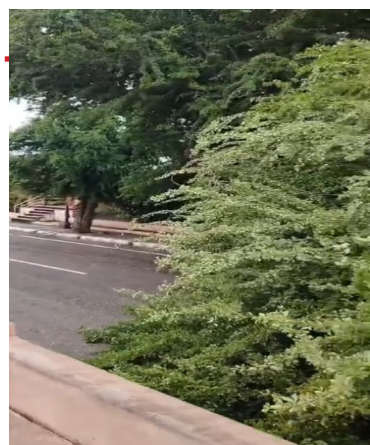
आंगनवाड़ी, आशा, मिड-डे मील और NHM सहित विभिन्न योजनाओं से जुड़े कर्मचारियों के मानदेय में बढ़ोतरी भी आंदोलन के प्रमुख मुद्दों में शामिल है। BMS ने संविदा कर्मचारियों के लिए समान काम-समान वेतन, वेतन में अनियमितता करने वाले ठेकेदारों और मैनपावर एजेंसियों पर कार्रवाई तथा सरकारी विभागों में रिक्त पदों को भरने की मांग की है। इसके साथ ही पांच दिवसीय बैंकिंग

व्यवस्था लागू करने, भारतीय श्रम सम्मेलन जल्द बुलाने और पुरानी पेंशन योजना (OPS) बहाल करने की मांग भी उठाई जाएगी।

श्रम कोड के प्रावधानों पर भी आपत्ति

BMS ने IR Code और OSH&WC Code के कुछ प्रावधानों को श्रमिक हितों के खिलाफ बताते हुए उनमें संशोधन की मांग की है। संगठन का कहना है कि श्रम कानूनों से जुड़े बड़े बदलावों पर सरकार को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के साथ बातचीत करनी चाहिए। BMS के महासचिव सुरेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि एक करोड़ से अधिक स्कीम वर्कर्स के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर केंद्र सरकार को ट्रेड यूनियनों के साथ गंभीर चर्चा करनी चाहिए। संगठन का कहना है कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों की परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। ऐसे में भारत की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए अलग और प्रभावी नीति की जरूरत है। लंबे समय से काम कर रहे स्कीम वर्कर्स को केवल योजना आधारित कर्मचारी मानने के बजाय उनके श्रम के अनुरूप अधिकार और सुविधाएं देने की मांग भी BMS ने उठाई है।

फतहसागर पाल पर अचानक धराशायी हुआ कीकर का विशाल पेड़, चंद कदम दूर थी लोगों की आवाजाही



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फतहसागर पाल पर शुक्रवार सुबह एक विशाल कीकर का पेड़ अचानक जड़ से उखड़कर बॉकिंग रोड पर आ गिरा। पेड़ गिरने की तेज आवाज से आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन जिस जगह पेड़ गिरा, वह शहर के सबसे व्यस्त बॉकिंग जोन में शामिल है। घटना करीब 11 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पेड़ अचानक धराशायी हुआ और सड़क का बड़ा हिस्सा इसकी चपेट

में आ गया। गनीमत रही कि उस वक्त सुबह-शाम की तरह बड़ी संख्या में लोग बॉकिंग ट्रैक पर मौजूद नहीं थे। यही वजह रही कि एक संभावित बड़ा हादसा टल गया।

सुबह-शाम यही जगह रहती है सबसे ज्यादा व्यस्त

फतहसागर पाल सिर्फ पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि शहरवासियों के लिए रोजाना मॉर्निंग और इवनिंग वॉक का प्रमुख स्थान है। यहां बड़ी संख्या में लोग पैदल घूमने, दौड़ने और व्यायाम करने पहुंचते हैं। ऐसे में सवाल सिर्फ एक पेड़ के गिरने का नहीं, बल्कि पाल पर मौजूद पुराने और विशाल पेड़ों की सुरक्षा का भी है। अगर यही पेड़ सुबह या शाम के पीक बॉकिंग समय में गिरता तो तस्वीर बेहद गंभीर हो सकती थी। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार विभाग फतहसागर पाल पर मौजूद ऐसे अन्य पुराने और कमजोर पेड़ों का सर्वे कराएगा या नहीं? हरियाली आमबस्या पर भी पाल पर चट्टान गिरने से हादसा हो चुका है।



सिद्धि विनायक हॉस्पिटल एण्ड हार्ट केयर सेन्टर

स्वास्थ्य सेवा में विश्वास, अनुभव और संवेदनशीलता का संगम

जब हो दिल का सवाल
आपको चाहिए सही
और बेहतर देखभाल



बिना ऑपरेशन व बिना जोखिम
के हृदय का बायपास
EECP मशीन के द्वारा



- क्या आप बाईपास या एंजियोप्लास्टी के लिये फिट / तैयार नहीं है तो आज ही EECP कराएँ और ब्लॉकज से छुटकारा पायें।
- EECP के इलाज से आप अपने हार्ट की कमजोर पम्पिंग क्षमता को बढ़ा सकते हैं।
- EECP के इलाज से आप स्वयं को हार्ट अटैक से बचा सकते हैं।



डॉ. गजेंद्र जोशी

MBBS, MD, DCC, FNIC

डाइबिटीज, फिजिशियन एवं हृदय रोग विशेषज्ञ
पुर्वानुभव अपोलो हॉस्पिटल, अहमदाबाद

छाती/पेट के ऊपरी हिस्से में
दर्द या जलन, घबराहट, स्वास में
तकलीफ, अनियमित धड़कन,
ब्लड प्रेशर, शुगर एवं
हृदय की अन्य बिमारियों के
परामर्श हेतु सम्पर्क करें।

2D ECHO-ECG-TMT-PFT (फेफड़ों की जांच)
BMD (हड्डियों की जांच), X-Ray व खून, पेशाब की जांच

बिना ऑपरेशन व बिना जोखिम के हृदय का बायपास EECP मशीन के द्वारा



X-Ray & Blood Tests



PFT

क्या आप धूम्रपान करते हैं, क्या आपको
चलने पर श्वास फूलती है। तो आपके फेफड़े
कमजोर हो सकते हैं, आज ही फेफड़ों का
पी.एफ.टी. टेस्ट करवाएं



TMT



BMD



यदि आप या आपके परिवार का कोई सदस्य हृदय रोग, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर या किसी भी आंतरिक बीमारी से जूझ रहा है, तो आज ही सिद्धि विनायक हॉस्पिटल में संपर्क करें और विशेषज्ञ चिकित्सा सेवा का लाभ उठाएं।

M. 7742116677, 7877016677

E-mail: info.svhuhudaipur@gmail.com
Website: svhhospital.com

427, वीणा नगर, सेटेलाईट हॉस्पिटल के सामने,
सेक्टर-6, हिरणमगरी, उदयपुर

प्रो. मंजु मांडोत ने संभाला राजस्थान विद्यापीठ में कार्यवाहक कुलपति का पदभार, 30 साल के अनुभव के साथ नई जिम्मेदारी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अगस्त। राजस्थान विद्यापीठ में शुक्रवार को नेतृत्व की नई जिम्मेदारी प्रो. मंजु मांडोत ने संभाल ली। विद्यापीठ के कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर ने कम्प्यूटर एवं आईटी विभाग की निदेशक प्रो. मंजु मांडोत को कार्यवाहक कुलपति मनोनीत किया है। मनोनयन आदेश की प्रति मिलते ही प्रो. मांडोत ने दोपहर 1.15 बजे शुभ मुहूर्त

में प्रतापनगर स्थित कुलपति सचिवालय में कार्यवाहक कुलपति का पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद प्रो. मांडोत ने प्रतापनगर परिसर में स्थापित विद्यापीठ के संस्थापक पं. जनार्दन राय नागर (जनुभाई) की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने संस्थापक के अधूरे सपनों को विद्यापीठ के कार्यकर्ताओं को साथ लेकर पूरा करने का संकल्प व्यक्त किया।

1996 में सहायक आचार्य से शुरू हुआ सफर, अब कुलपति की जिम्मेदारी

प्रो. मंजु मांडोत का राजस्थान विद्यापीठ से जुड़ाव करीब तीन दशक पुराना है। उन्होंने अगस्त 1996 में आईटी विभाग में सहायक आचार्य के रूप में विद्यापीठ में अपनी सेवा यात्रा शुरू की थी। इसके बाद उन्होंने

संस्थान में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्व संभाले और प्रशासनिक एवं शैक्षणिक जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। जुलाई 2012 से वे कम्प्यूटर एवं आईटी विभाग की निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। लंबे समय तक संस्थान के शैक्षणिक और प्रशासनिक तंत्र से जुड़े रहने के बाद अब उन्हें विद्यापीठ के कार्यवाहक कुलपति की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर ने दी बधाई

प्रो. मांडोत के पदभार ग्रहण करने पर कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रो. मांडोत के नेतृत्व में राजस्थान विद्यापीठ नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उनके मनोनयन की सूचना मिलते ही विद्यापीठ के तीनों परिसरों में कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारी उन्हें बधाई देने पहुंचे।

‘विद्यापीठ कार्यकर्ताओं की संस्था है

पदभार ग्रहण करने के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रो. मंजु मांडोत ने कहा कि राजस्थान विद्यापीठ कार्यकर्ताओं की संस्था है और इसकी उपलब्धियों के पीछे संस्थान से जुड़े प्रत्येक कार्यकर्ता की प्रतिबद्धता और मेहनत रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व कुलपतियों के कार्यकाल में विद्यापीठ ने राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी अलग पहचान बनाई है। अब इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सभी को साथ लेकर संस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना प्राथमिकता होगी। प्रो. मांडोत ने कहा कि विद्यापीठ ने समाज के हर वर्ग को सम्मान और अवसर देने का काम किया है। संस्थापक पं. जनार्दन राय नागर के सपनों को साकार करने की दिशा में विश्वविद्यालय लगातार आगे बढ़ रहा है और कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता ही विद्यापीठ

की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि विद्यापीठ के निष्ठावान और ईमानदार कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयासों से संस्थान सर्वोच्च शिखर तक पहुंचा है। आने वाले समय में भी इसी सामूहिक भावना के साथ विद्यापीठ की शैक्षणिक और संस्थागत पहचान को और मजबूत किया जाएगा।

तीनों परिसरों में खुशी, कार्यकर्ताओं ने किया सम्मान

पदभार ग्रहण समारोह के दौरान विद्यापीठ के शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रो. मांडोत का उपरणा ओढ़ाकर सम्मान किया और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रो. जीएम मेहता, प्रो. अनीश नागर, प्रो. सरोज गर्ग, प्रो. बलिदान जैन, प्रो. हेमेश चौधरी, डॉ. शैलेन्द्र मेहता, डॉ. एसवी नागर, डॉ. गुणबाला आमेटा, प्रो. लालाराम जट, डॉ. मनीष श्रीमाली, डॉ. दिलीप चौधरी, डॉ. प्रिस पायस, डॉ.

प्रदीप सिंह शक्तावत, डॉ. आशीष नंदवाना, शरद वर्मा, उमराव सिंह राणावत, आशीष डी. नंदवाना, नवीन दीक्षित, चन्द्रेश छतलानी, डॉ. अमित बाहेती और डॉ. भरत सुखवाल मौजूद रहे। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश धाकड़ सहित आरिफ मोहम्मद, डॉ. दिलीप सिंह चौहान, किशन सिंह राव, रमेश प्रजापत, राजेन्द्र वैष्णव, महेन्द्र मेघवाल, कैलाश, अशोक, शंकर, रामलाल, देवी सिंह, खेमराज माली, गंगाबाई, लक्ष्मी सालवी, सुरजकवर, हीरा बाई और गोपीबाई सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने प्रो. मांडोत का स्वागत एवं सम्मान किया। प्रो. मंजु मांडोत के सामने अब कार्यवाहक कुलपति के रूप में विद्यापीठ की शैक्षणिक परंपरा, प्रशासनिक व्यवस्था और संस्थापक के मूल उद्देश्यों को आगे बढ़ाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। करीब तीन दशक से संस्थान से जुड़े उनके अनुभव को देखते हुए विद्यापीठ के कार्यकर्ताओं में उनके नेतृत्व को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया।

जिला पावरलिफ्टिंग संघ की नई कार्यकारिणी निर्विरोध निर्वाचित, 2027 में राष्ट्रीय प्रतियोगिता का प्रस्ताव



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिला पावरलिफ्टिंग संघ उदयपुर की वार्षिक साधारण सभा शुक्रवार को कजरी होटल के सभागार में हुई। राजस्थान राज्य पावरलिफ्टिंग संघ, जिला क्रीड़ा परिषद और उदयपुर जिला ओलंपिक संघ के पर्यवेक्षकों तथा चुनाव अधिकारी की मौजूदगी में वर्ष 2026 से 2030 तक के लिए संघ की नई कार्यकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। नई कार्यकारिणी में दिनेश श्रीमाली को अध्यक्ष, विनोद साहू को सचिव, डॉ. देवेन्द्र साहू को कोषाध्यक्ष और चंद्रेश सोनी को चेयरमैन चुना गया। वहीं विजय सुवासिया और माला सुखवाल उपाध्यक्ष, भूपेंद्र व्यास और प्राची सोनी संयुक्त सचिव तथा रामनारायण कोठारी, धापू लोहार, जयेश कामोया, तरुण मंगल और पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। चुनाव अधिकारी गोपाल साहू ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और चुनाव प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस दौरान पर्यवेक्षकों और नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का मेवाड़ी पगड़ी व उपरणा पहनाकर स्वागत किया गया।

2027 में राष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारी

नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश श्रीमाली ने कहा कि उदयपुर में नियमित जिला एवं राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिताओं के आयोजन से खिलाड़ियों को लगातार मंच मिल रहा है। इसी का परिणाम है कि उदयपुर के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर शहर का नाम रोशन किया है। सचिव विनोद साहू ने वर्ष 2027 में उदयपुर में राष्ट्रीय सीनियर पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता आयोजित कराने का प्रस्ताव रखा। सदस्यों ने प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए राजस्थान राज्य पावरलिफ्टिंग संघ के माध्यम से पावरलिफ्टिंग इंडिया को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया।

तकनीकी और अनुशासन समितियां गठित

अध्यक्ष दिनेश श्रीमाली ने सदस्यों की सहमति से विभिन्न समितियों का गठन भी किया। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गौरव साहू को तकनीकी समिति का चेयरमैन एवं आयोजन सचिव मनोनीत किया गया। वहीं संजीव तिवारी को अनुशासन समिति का चेयरमैन और

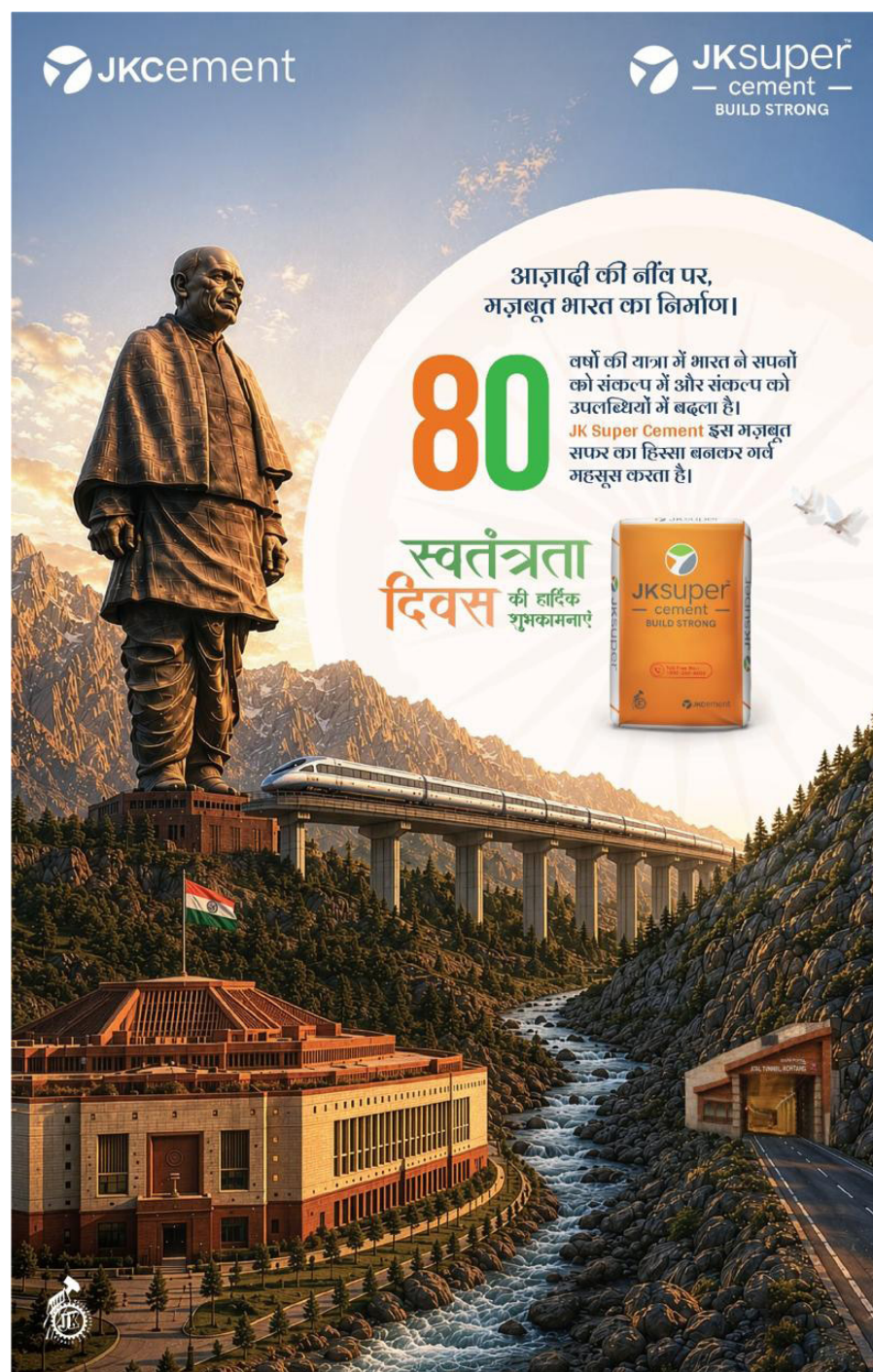
सुखलाल साहू को संयोजक बनाया गया। कार्यक्रम के अंत में नवनिर्वाचित चेयरमैन चंद्रेश सोनी ने सभी सदस्यों और अतिथियों का आभार जताया।



आओ मिलकर नमन करें
उन देशभक्तों को जिन्होंने देश के लिए अपना
सर्वस्व न्योछावर किया

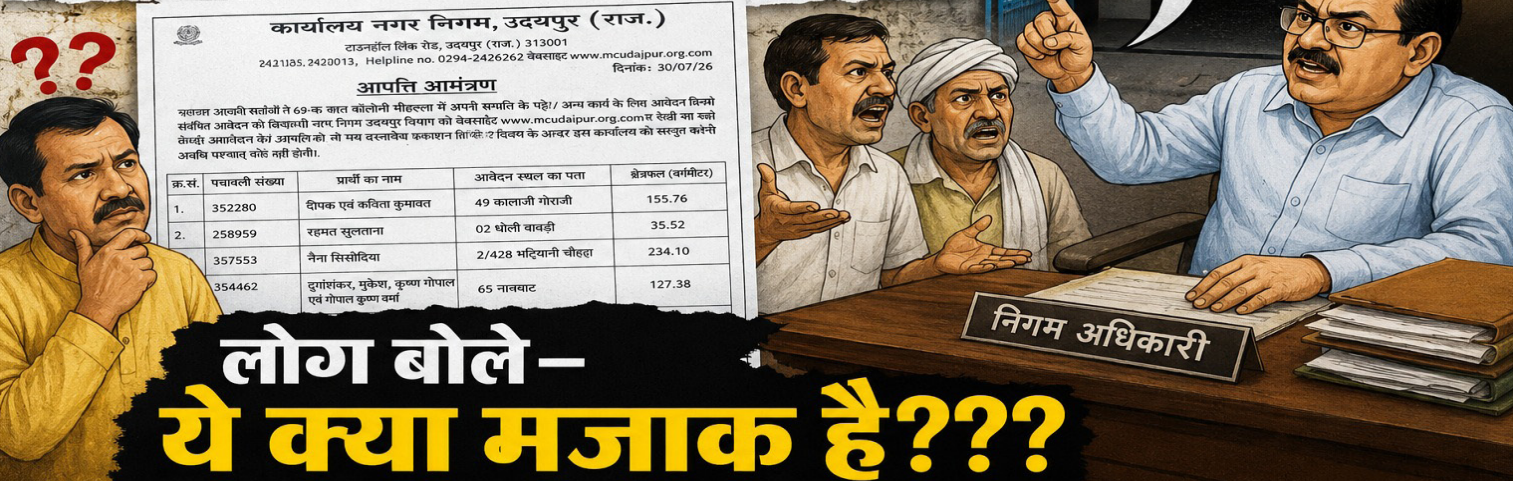
आजादी के पावन पर्व
स्वतंत्रता दिवस
पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

जितेन्द्र सिंह शक्तावत जिला महामंत्री
भारतीय जनता युवा मोर्चा, उदयपुर देहात



आम सूचना छपवाने के बाद निगम अफसर बोले-राजाओं-महाराजाओं के जमाने के दस्तावेज लाओ तब देंगे पट्टा, लोग बोले-ये क्या मजाक है???

आम सूचना छपवाने के बाद निगम अफसर बोले— राजाओं-महाराजाओं के जमाने के दस्तावेज लाओ तब देंगे पट्टा



लोग बोले—
ये क्या मजाक है???

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नगर निगम के शहरी सेवा शिविरों में पट्टे की उम्मीद लेकर पहुंच रहे शहरवासियों के सामने यहां के महारथी और घुटे हुए धुरंधर कर्मचारी व अफसर ऐसा पेच खड़ा कर रहे हैं कि जिसने निगम की पूरी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गजब की फकीरी, गजब की मनमानी चल रही है। या तो वे इतने ज्यादा भोले बन रहे हैं कि नियमों के बारे में पता ही नहीं है या फिर कुछ खास वजहों से पता तक नहीं हिलाना चाहते हैं। इन महारथियों की कार गुजारियों का आज हम खबर में कच्चा चिट्ठा खोलने वाले हैं। आपको बता दें कि मामला 69ए के तहत पट्टा जारी करने से जुड़े उन प्रकरणों का है, जिनमें आवेदकों से दस्तावेज लिए गए, प्रक्रिया आगे बढ़ी और नगर निगम ने सरकारी खर्च पर समाचार पत्रों में आम सूचना तक प्रकाशित कर दी। लेकिन ऐन मौके पर आवेदकों को यह कहकर टरका दिया है कि वे स्टेट ग्रांट एक्ट के तहत आवेदन करें। अब ये क्या मजाक चल रहा है। क्या अफसर और कर्मचारी आंख मूंद कर नींद में या किसी खुमारी में काम कर रहे हैं या फिर उनकी आंखों पर भी किसी खास तरह के पट्टी बंधी है। मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि आवेदकों के पास संपत्ति से संबंधित पंजीकृत दस्तावेज और नगर निगम से स्वीकृत नक्शे मौजूद हैं। इसके बावजूद अब उनसे

तत्कालीन राजघरानों या राजाओं-महाराजाओं की ओर से जारी पुराने पट्टे और उनका हिंदी अनुवाद मांगा जा रहा है। याने रजवाड़ों के दस्तावेजों की चक्की में पिसते रहो, ये आम सूचना का आम चूस कर फेंकते रहेंगे। गजब की सीनाजोरी का आलम है। आम आदमी के सामने सबसे बड़ा संकट यही है कि जिस दस्तावेज को वह दशकों से तलाश भी नहीं पा रहा है उसे आखिर उपलब्ध कहां से कराएगा? राजे महाराजाओं के दस्तावेज उसके पास होते तो नगर निगम की जरूरत ही कहां रहती। यह काम तो निगम को करना चाहिए। अफसर जनता के पैसों से तनख्वाह ले रहे हैं। उनकी ओर से पहल की जानी चाहिए कि रजवाड़ों के दस्तावेजों को उपलब्ध करवाएं या फिर हर आवेदक तक उनकी पहुंच सुलभ करवाएं। मगर यहां तो डीठ अफसर खुद बाधा बने हुए हैं। सौ-सौ पैतरे चल रहे हैं कि कैसे भी हो ये काम तो हर हाल में ना हो!!

पहले दस्तावेज लिए, फिर आम सूचना छापी...

अब कह रहे हम आपके हैं कौन???

लगता है ये पिक्चर चल रही है जिसमें निगम खुद विलेन का रोल अदा कर रहा है। पूरे प्रकरण की सबसे चौकाने वाली कड़ी निगम की अपनी प्रक्रिया है। जब 69ए के तहत आवेदन स्वीकार किए गए तो संबंधित दस्तावेजों के आधार पर आम सूचना प्रकाशित की गई। इसका सीधा अर्थ यही था कि संपत्ति पर

किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो वह निर्धारित अवधि में सामने आए। बताया जा रहा है कि इन मामलों में आम सूचना प्रकाशित होने के बाद कोई आपत्ति भी सामने नहीं आई। इसके बावजूद अब आवेदकों को पट्टा देने के बजाय दूसरी श्रेणी में आवेदन करने की सलाह दी जा रही है। यानी जिस सरकारी प्रक्रिया ने आवेदक को यह भरोसा दिलाया कि उसका मामला नियमानुसार आगे बढ़ रहा है, वही प्रक्रिया अब उसके सामने नई बाधा बनकर खड़ी हो गई है। इससे सवाल सिर्फ पट्टा मिलने का नहीं, बल्कि निगम की साख पर बड़े, विश्वसनीयता और जवाबदेही का है।

पिछली सरकार में जो कागज वेलिड थे, वे हो गए

इन वेलिड?

इस मामले का सबसे अहम पहलू यह है कि आवेदकों के अनुसार पिछली सरकार के दौरान इसी प्रकार के दस्तावेजों के आधार पर 69ए के अंतर्गत पट्टे जारी किए गए थे। यदि यह तथ्य रिकॉर्ड से पुष्ट होता है तो वर्तमान प्रक्रिया पर सवाल और गहरा जाता है। एक ही नगर निगम क्षेत्र में, समान प्रकृति के दस्तावेजों के आधार पर पहले पट्टा जारी हो और बाद में उसी प्रकार के दस्तावेज को अपयस मान लिया जाए तो आवेदक स्वाभाविक रूप से प्रक्रिया की समानता पर सवाल उठाएंगे। नियमों की व्याख्या बदली है तो उसका स्पष्ट आधार सामने आना चाहिए। अगर कोई नया दस्तावेज अनिवार्य किया गया है तो उसकी जानकारी आवेदन के समय दी जानी चाहिए थी। लेकिन प्रक्रिया पूरी होने के बाद शर्तों का स्वरूप बदलता दिखाई दे तो इससे आवेदक की परेशानी कई गुना बढ़ जाती है।

राजा-महाराजा का पट्टा मांगना कितना

व्यावहारिक?

निगम द्वारा पुराने राजकीय पट्टे और उनका हिंदी अनुवाद मांगे जाने की बात ने आवेदकों की मुश्किल और बढ़ा दी है। जिन परिवारों के पास वर्तमान में पंजीकृत दस्तावेज मौजूद हैं, उनसे सदियों पुराने राजकीय दस्तावेज मांगना व्यावहारिक रूप से कितनी बड़ी बाधा है, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। यही वजह है कि आवेदकों का कहना है कि यदि ऐसे पुराने दस्तावेज अनिवार्य थे तो नगर निगम को शुरुआत में ही इसकी स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए थी। लोगों ने दस्तावेज जुटाए, आवेदन किए, प्रक्रिया में समय लगाया और फिर सरकारी खर्च से प्रकाशित आम सूचना के बाद यह उम्मीद बनी कि अब प्रकरण मंजिल तक पहुंचेगा। लेकिन अब उसी प्रक्रिया को दूसरी दिशा में मोड़ दिया गया।

आम सूचना दो बार निकली, इसका खर्चा

अफसरों की तनख्वाह से काटो

मामले को और पेचीदा बनाती है आम सूचना के दो बार प्रकाशित होने की बात। एक बार नहीं, बल्कि दो बार सार्वजनिक सूचना प्रकाशित होने के बावजूद यदि अंततः आवेदकों को यह कहा जाए कि 69ए में पट्टा नहीं मिलेगा और वे स्टेट ग्रांट एक्ट में आवेदन करें, तो नगर निगम की प्रक्रिया पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सरकारी धन खर्च हुआ है उसकी भरपाई जनता क्यों करेंगे? अफसरों की तनख्वाह में से इसका पैसा कटना चाहिए।

JIVANTA MANSION

4 BHK LUXURIOUS FLATS



Rera Reg. No.: RAJ/P/2025/3871

Member of
CREDAI
UDAIPUR

BOOKING CONTACT

Dinesh Kohtari +91 98290 43307
Deepesh Chaplot +919214059814

Site Address:

Plot No. 5, Khasra Number 2175 / 2180
B.G. Nagar, Bedla, Udaipur-313001

3 BHK Flats & 4 BHK Luxurious Penthouse

RERA No. RAJ/P/2024/3267



JUPITER APPARTMENT

: SITE ADDRESS :

Near Navratan Height, Behind Govt CHC Hospital,
Bhuwana Circle to Mewar Hospital 100 Feet Road, Udaipur

For Booking Contact: **DINESH KOTHARI - 9829043307**

Tara Chand Porwal
94141 59319

Deepesh Chaplot
92140 59814

Site Contact: Mangi Lal - 98290 45306

JUPITER INFRA BUILDER

Address: Ground Floor, Galaxy Apartment, Above Padmavati
Furniture, Fatehpura Bedla Road, Udaipur



Scan for Location

वृत्ताधिकारी उदयपुर पश्चिम कैलाश चंद खटीक को पुलिस पदक, डॉ. अरविंदर सिंह, मनस्वी अग्रवाल समेत कई प्रतिभाओं को भी राज्य स्तरीय सम्मान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अगस्त। स्वाधीनता दिवस समारोह-2026 के अवसर पर राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट और सराहनीय सेवाएं देने वाले पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों, कारागार अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तरीय समारोह बीकानेर के डॉ. करणीसिंह स्टेडियम में आयोजित होगा। उदयपुर से श्री कैलाश चंद खटीक, वृत्ताधिकारी, उदयपुर पश्चिम, उदयपुर को पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। वहीं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में डॉ. अरविंदर

सिंह, पेनेसिया डिसेबिलिटी राइट्स एक्टिविस्ट, उदयपुर, तथा पर्वतारोहण के क्षेत्र में सुश्री मनस्वी अग्रवाल, उदयपुर को प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा। पैरा शूटिंग के लिए सुश्री सृष्टि अरोड़ा अजमेर का चयन किया गया है।

राष्ट्रपति पुलिस पदक

राज्य स्तरीय समारोह में श्री भंवर सिंह, कम्पनी कमाण्डर, तृतीय बटालियन आरएसी, बीकानेर और श्री नरेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक पुलिस, एजीटीएफ, सीआईडी (सीबी), पुलिस मुख्यालय, जयपुर को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा।

पुलिस पदक पाने वालों में 16 नाम

पुलिस पदक के लिए चयनित अधिकारियों-कर्मचारियों में श्री

मनीष अग्रवाल, उप महानिरीक्षक पुलिस, आर्म्ड बटालियन जयपुर, हाल उप महानिरीक्षक पुलिस, इंटेलिजेंस, राजस्थान, जयपुर; श्री अवनीश कुमार शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसओजी जयपुर, हाल पुलिस अधीक्षक, जिला बूंदी; श्री धर्मेन्द्र सिंह सागर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सीआईडी (एसएसबी), जोन जयपुर शहर; श्री चैन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बाली, जिला पाली; श्री कैलाश चंद खटीक, वृत्ताधिकारी, उदयपुर पश्चिम, उदयपुर; श्री सवाई सिंह, पुलिस निरीक्षक, पुलिस थाना करणी विहार, आयुक्तालय जयपुर; श्री सहीराम, प्लाटून कमाण्डर, प्रथम बटालियन आरएसी, जोधपुर; श्री जसवन्त राम, उप निरीक्षक पुलिस, कार्यालय महानिरीक्षक पुलिस, जोधपुर रेंज; श्री देवी सिंह, उप निरीक्षक पुलिस, तकनीकी शाखा एसएसबी, जयपुर; श्री भोजराज सिंह, सहायक उप निरीक्षक, साइबर पुलिस थाना, आयुक्तालय जयपुर; श्री कानाराम जाखड़, हेड कांस्टेबल 3079, पुलिस काउंसिलिंग एवं सहायता केंद्र, जिला बीकानेर; श्री देवकरण, हेड कांस्टेबल 102, तृतीय बटालियन आरएसी, बीकानेर; श्री गिरधारी लाल, हेड कांस्टेबल 47, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर; श्री तलसाराम, हेड कांस्टेबल 14, एसडीआरएफ, जयपुर; श्री सुरेन्द्र सिंह, कांस्टेबल 991, छठी बटालियन आरएसी, धौलपुर तथा श्री तेजा राम, कांस्टेबल 16, राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर शामिल हैं।

कारागार सेवा के लिए पदक

राष्ट्रपति सुधारात्मक सेवा पदक (कारागार) के तहत विशिष्ट सेवा के लिए श्री रमाकांत शर्मा, उपाधीक्षक, महानिदेशालय कारागार राजस्थान, जयपुर को सम्मानित किया जाएगा। सराहनीय सेवा पदक के लिए श्री योगेश तेजी, अधीक्षक ग्रेड-द्वितीय, जिला कारागृह, हनुमानगढ़; श्री लोकोज्ज्वल सिंह, कारापाल, जिला कारागृह, चित्तौड़गढ़

तथा श्री सुगर सिंह गुर्जर, कारापाल, जिला कारागृह, चूरू का चयन हुआ है।

योग्यता प्रमाण-पत्र

योग्यता प्रमाण-पत्र के लिए श्री लोक बंधु, आईएएस, जिला कलक्टर, अजमेर; श्री देवेन्द्र अरोड़ा, संयुक्त शासन सचिव, वित्त (व्यय-3) विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर; श्री राजेश, वरिष्ठ उप सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय, शासन सचिवालय, जयपुर; श्री रणवीर सिंह, संयुक्त निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, जयपुर; श्रीमती रितिका पण्ड्या, सिस्टम एनालिस्ट, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग, जयपुर; श्रीमती नवरेखा, संयुक्त निदेशक, संभागीय रोजगार कार्यालय, जयपुर; श्री राकेश आलोरिया, प्रोग्रामर, सामान्य प्रशासन विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर; श्री सुरेश कुमार जांगिड, सहायक लेखाधिकारी-II, वित्त (वजट) विभाग, जयपुर तथा श्री दिनेश कुमार सावलानी, सूचना सहायक, राज्यपाल सचिवालय, लोकभवन, जयपुर का चयन किया गया है।

कला, समाजसेवा और खेल में भी सम्मान

लोक कला, आर्टिजन्स, सामाजिक, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में सराहनीय सेवाओं के लिए डॉ. जगमोहन माथोडिया, चित्रकला, डॉ. अरविंदर सिंह, समाज सेवा एवं पेनेसिया डिसेबिलिटी राइट्स एक्टिविस्ट, उदयपुर; श्री दीप सिंह शेखावत, जल संरक्षण; श्री कन्हैया लाल मूंदड़ा, समाज सेवा; सुधीश कुमार शर्मा, समाज सेवा; श्री सेवा राम, कुर्जा पक्षी संरक्षण; श्री बादशाह मियां, शिल्प कला; सुश्री मनस्वी अग्रवाल, पर्वतारोहण, उदयपुर तथा सुश्री सृष्टि अरोड़ा, पैरा शूटिंग, अजमेर को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

स्वतंत्रता दिवस 2026: राजस्थान पुलिस के 16 अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए पुलिस पदकों की घोषणा

2 पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक और 14 को मिलेगा पुलिस पदक

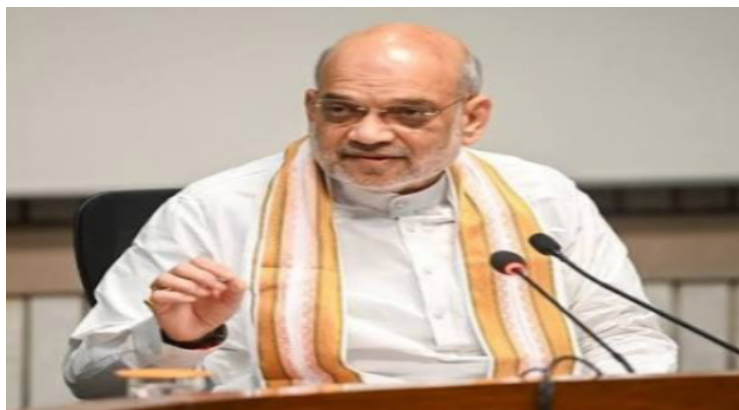


24 न्यूज अपडेट

जयपुर 14 अगस्त। स्वतंत्रता दिवस 2026 के पूर्व संध्या पर केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा राजस्थान पुलिस के 16 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रतिष्ठित पुलिस पदकों से सम्मानित करने की घोषणा की गई है। जारी सूची के अनुसार, राजस्थान पुलिस के दो अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और 14 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से अलंकृत किया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी सूची के अनुसार, सहायक पुलिस आयुक्त एसपी अमेर श्री सुरेंद्र सिंह राणावत और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीआईडी विशेष शाखा श्री महेंद्र कुमार भगत को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक प्रदान करने की घोषणा की गई है।

अमित शाह कल रात उदयपुर पहुंचेंगे, 16 अगस्त को निम्बाहेड़ा में अटल प्रतिमा का करेंगे अनावरण



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अगस्त। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार रात दो दिवसीय प्रवास पर उदयपुर पहुंचेंगे। उनके दौर को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा सहित सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अमित शाह 15 अगस्त की रात 9 बजे महाराणा प्रताप एयरपोर्ट, डबोक पहुंचेंगे। यहां से सड़क मार्ग से उदयपुर पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे।

अगले दिन 16 अगस्त की सुबह निम्बाहेड़ा के लिए रवाना होंगे। यहां जे.के. सर्किल पर पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की विशाल प्रतिमा का अनावरण करेंगे। कार्यक्रम के बाद दोपहर में हेलीकॉप्टर से उदयपुर लौटेंगे और इसके बाद

विशेष विमान से जयपुर के लिए रवाना होंगे।

उदयपुर में नो फ्लाइंजोन

अमित शाह के उदयपुर दौर को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत शहर के प्रमुख क्षेत्रों में नो फ्लाइंजोन घोषित किया है। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट गौरव अग्रवाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की

धारा 163 के तहत इसके आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार डबोक एयरपोर्ट, सर्किट हाउस उदयपुर तथा सुखाडिया सर्कल स्थित उदय किरण अधिकारी विश्राम गृह के आसपास का क्षेत्र नो फ्लाइंजोन रहेगा। 15 अगस्त शाम 5 बजे से 16 अगस्त दोपहर 2 बजे तक इन क्षेत्रों में ड्रोन, यूएवी, हॉट एयर बैलून सहित किसी भी प्रकार के उड़ने वाले उपकरणों के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने आदेश की अवहेलना करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। केंद्रीय गृह मंत्री के दौर को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात तथा वीआईपी मूवमेंट को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं।



दिनांक: 16 अगस्त 2026, रविवार

समय: प्रातः 9.05 बजे

स्थान:- डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खेल मैदान, निम्बाहेड़ा

आप सभी सादर आमंत्रित है।

आइए, हम सभी मिलकर श्रद्धेय अटल जी के राष्ट्रसेवा एवं सुशासन के आदर्शों को नमन करें।

निवेदक- समस्त भाजपा कार्यकर्ता निम्बाहेड़ा- छोटीसादड़ी विधानसभा क्षेत्र

उदयपुर में सोमवार को निकलेगी 21वीं कावड़ यात्रा, 11 हजार कावड़िये करेंगे उभयेश्वर महादेव का जलाभिषेक, 101 गेटों से होगी पुष्प वर्षा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अगस्त। सुख-शांति और अच्छी वर्षा की कामना को लेकर शिव महोत्सव समिति की ओर से सोमवार को 21वीं कावड़ यात्रा निकाली जाएगी। श्रीतीर्थराज गंगोदभव कुंड से शुरू होने वाली यात्रा उभयेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी, जहां करीब 11 हजार कावड़िये गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। यात्रा सुबह 8 बजे रवाना होगी। यात्रा से पहले पांच नदियों से लाए गए जल की पूजा-अर्चना होगी। पूरे मार्ग में 101 स्वागत द्वारों से पुष्प वर्षा की जाएगी। यात्रा गंगोदभव कुंड से आयड़, अशोक नगर, शक्तिनगर, टाउन हॉल, बापू बाजार, देहली गेट, तीज का चौक, घंटाघर, जगदीश चौक, चांदपोल, ब्रह्मपोल, रामपुरा, धार और मोरवानिया होते हुए उभयेश्वर पहुंचेगी। मीडिया प्रभारी कृष्णकांत कुमावत ने बताया कि कावड़ यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। शनिवार से कुंड परिसर में कावड़ों को जमाने और पवित्र जल भरने का काम होगा। उभयेश्वर महादेव परिसर में 21 पंडितों और 21 जजमान जोड़ों द्वारा महारुद्राभिषेक किया जाएगा। करीब 20 हजार श्रद्धालुओं



रोज, आइसक्रीम और फलों की व्यवस्था रहेगी। सुरक्षा के लिए स्वयंसेवकों की टीम के साथ एंबुलेंस और बस भी उपलब्ध रहेंगी। इससे पहले शुक्रवार को कार्यकर्ताओं ने पीले चावल, पत्रक और तिरंगे वितरित कर लोगों को कावड़ यात्रा में शामिल होने का न्योता दिया।

के लिए भोजन की व्यवस्था रहेगी। आयोजन में प्रत्येक कावड़िये को पीपल का पौधा देकर उसे लगाने का संकल्प दिलाया जाएगा। साथ ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का संकल्प भी कराया जाएगा। यात्रा के दौरान पानी, मिल्क

पूर्व कार्यकर्ताओं ने ली अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बैठक 2,000 से अधिक युवाओं को कार्यक्रम से जोड़ने का लक्ष्य



24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा। कविता पारख 16 अगस्त रविवार को निम्बाहेड़ा में आयोजित होने वाले अटल स्मृति गौरव समारोह की तैयारियों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में देश के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रस्तावित कार्यक्रम

को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पूर्व कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए युवाओं को राष्ट्रहित एवं सामाजिक सरोकारों से जोड़ना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से निम्बाहेड़ा क्षेत्र के 2,000 से अधिक युवाओं को अटल स्मृति गौरव समारोह से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। बैठक में उपस्थित पूर्व कार्यकर्ताओं ने युवाओं से आह्वान किया कि वे बड़ी संख्या में समारोह में सहभागी बनें और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में आयोजन को लेकर युवाओं के बीच व्यापक संपर्क अभियान चलाने, विभिन्न क्षेत्रों एवं शिक्षण संस्थानों से जुड़े युवाओं को कार्यक्रम की जानकारी देने तथा अधिकाधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित करने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया। पूर्व कार्यकर्ताओं ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी के विचार, राष्ट्रसेवा की भावना और सुशासन की उनकी परिकल्पना आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण एवं समाज सेवा के कार्यों से जोड़ने का अवसर मिलता है। बैठक में कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने का संकल्प लिया तथा निर्धारित लक्ष्य से अधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास करने का आह्वान किया।

सावन खाटूश्याम झूलोत्सव कल, 15 अगस्त को तुलसीदास सराय में सजेगा भव्य श्याम दरबार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से निर्माणाधीन खाटूश्याम मंदिर, तुलसीदास सराय, डबोक एयरपोर्ट रोड पर 15 अगस्त शनिवार को शाम 7:15 बजे से सावन मास का श्री खाटूश्याम झूलोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस बार झूलोत्सव की थीम स्वतंत्रता दिवस पर आधारित रहेगी। ट्रस्ट अध्यक्ष शशिकांत खेतान ने बताया कि सावन मास में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य झूलोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर के सांवरिया डेकोरेटर की ओर से श्री श्याम बाबा को फूलमालाओं से सुसज्जित भव्य झूले में विराजमान किया जाएगा। झूले को मंच पर बनाए गए छोटे तरणताल में स्थापित किया जाएगा, जहां सुगंधित जल के फव्वारे और

रंग-विरंगी रोशनी आकर्षण का केंद्र रहेंगे। श्याम दरबार की साज-सज्जा में शर्मा इलेक्ट्रिक, डबोक की ओर से विशेष रंग-विरंगी लाइटिंग की गई है। इससे झूलोत्सव स्थल और श्याम दरबार को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया है।

कानपुर के श्रेष्ठ दीक्षित देंगे भजनों की प्रस्तुति
झूलोत्सव में भजन संघा का विशेष आकर्षण कानपुर, उत्तर प्रदेश के श्रेष्ठ दीक्षित रहेंगे। उदयपुर की सुप्रसिद्ध भजन गायिका केमिता राठौड़ सहित अन्य भजन गायक भी श्याम बाबा का गुणगान करेंगे। संगीत की संगत नीमच के उमेश म्यूजिकल ग्रुप द्वारा की जाएगी, जबकि साउंड व्यवस्था हिमांशु जैन की रहेगी। शहर से झूलोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए फतेह स्कूल के सामने, सूरजपोल चौराहे के पास से मंदिर तक निशुल्क बस सेवा उपलब्ध रहेगी। ट्रस्ट के अनुसार बस शाम 7 बजे से 7:15 बजे के बीच श्रद्धालुओं को मंदिर तक लाने और कार्यक्रम के बाद वापस शहर तक पहुंचाने के लिए संचालित की जाएगी। बस चालक शिवलाल डांगी से मोबाइल नंबर 8890924640 पर संपर्क किया जा सकता है।

राजस्थान में 220 नवचयनित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को मिली पोस्टिंग, मिलावट के खिलाफ अभियान को मिलेगी रफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 14 अगस्त। राजस्थान में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 220 नवचयनित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के पदस्थापन आदेश जारी किए गए हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय ने 13 अगस्त को वर्ष 2019 और 2022 भर्ती के चयनित अभ्यर्थियों के अलग-अलग पदस्थापन आदेश जारी किए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र सिंह खीवसर ने बताया कि वर्ष 2019 भर्ती के 73 और वर्ष 2022 भर्ती के 147 खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को प्रदेश के विभिन्न जिलों में नियुक्ति दी गई है। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि

नियंत्रण डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि वर्ष 2019 भर्ती में गैर-अनुसूचित क्षेत्र के 69 और अनुसूचित क्षेत्र के 4 अधिकारियों को पदस्थापन मिला है। वहीं वर्ष 2022 भर्ती में गैर-अनुसूचित क्षेत्र के 134 तथा टीएसपी क्षेत्र के 13 अधिकारियों की पोस्टिंग की गई है। नवचयनित अधिकारियों को 14 अगस्त 2026 तक राजहल्थ पोर्टल के माध्यम से नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य किया गया है। उपस्थिति का सत्यापन संबंधित अभिहित अधिकारी द्वारा किया जाएगा, जिसके बाद आहरण एवं वितरण अधिकारी के माध्यम से राजहल्थ पोर्टल पर उपस्थिति अपडेट की जाएगी।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें - desk24newsupdate@gmail.com

पेंशन अदालत 18 सितम्बर को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अगस्त। पेंशन एवं पेंशनर्स कल्याण विभाग, जयपुर के निर्देशानुसार आगामी 18 सितम्बर को पेंशन अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें विशेष रूप से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं स्थानीय निकाय विभाग (नगर निगम/नगर परिषद/नगरपालिका) के सेवानिवृत्त/सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण प्रस्तुत करने में आ रही समस्याओं एवं शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। कोषाधिकारी ग्रामीण ने बताया कि मुख्य सचिव महोदय

के निर्देशानुसार यह पेंशन अदालत मुख्य रूप से इन विभागों के पारिवारिक पेंशनर्स (विधवा/तलाकशुदा/अविवाहित पुत्री/दिव्यांग व्यक्तियों) के समस्याओं के समाधान हेतु आयोजित की जाएगी। परिवेदना निर्धारित प्रपत्र में संबंधित कोष/उपकोष कार्यालय, जिला पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अधीक्षण अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं क्षेत्रीय उपनिदेशक स्थानीय निकाय विभाग, उदयपुर में व्यक्तिशः, डाक अथवा कोष कार्यालय, उदयपुर (ग्रामीण) के ई-मेल आई.डी. TORURAL-UDA-RJ@NIC.IN पर 18 अगस्त तक प्रस्तुत की जा सकेगी।

रिक्त रही 39 उचित मूल्य की दुकानों के लिए आवेदन आमंत्रित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अगस्त। जिला रसद अधिकारी प्रथम एवं द्वितीय के क्षेत्राधीन रिक्त रही उचित मूल्य दुकानों के लिए एक बार पुनः आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एवं पात्र व्यक्ति 17 अगस्त से 7 सितम्बर के मध्य किसी भी कार्य दिवस पर जिला रसद अधिकारी कार्यालय में 100 रूपए का भारतीय पोस्टल ऑर्डर जमा कराकर आवेदन पत्र प्राप्त कर पूर्ण रूप से भर कर 30 सितम्बर शाम 6 बजे से पूर्व जमा करा सकते हैं। जिला रसद अधिकारी प्रथम मणि खींची ने बताया कि नोन टीएसपी क्षेत्र में बड़गांव तहसील अंतर्गत बड़ी, वीटी बी, भीण्डर तहसील अंतर्गत कुंथवास, भीण्डर वार्ड 1 एवं 2, सालेड़ा व भावपुरा, उदयपुर अंतर्गत वार्ड संख्या पुराना 22 एवं नया 37, पुराना 24 नया 56, पुराना

35 नया 45, पुराना 40 नया 15 तथा पुराना 5 नया 6 के लिए आवेदन आमंत्रित हैं। इसी प्रकार मावली तहसील अंतर्गत लोपड़ा, फलीचड़ा व भीमल तथा फतहनगर सनवाड़ में वार्ड 9 के लिए आवेदन मांगे गए हैं। टीएसपी क्षेत्र में भीण्डर अंतर्गत फुसरिया, बारापाल अंतर्गत सेठजी की कुण्डाल, कुराबड़ अंतर्गत कुराबड़ ए, साकरोदा, वल्लभ, पाड़ा खादरी एवं खारवा उचित मूल्य दुकान के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला रसद अधिकारी द्वितीय क्षेत्र में कोटड़ा अंतर्गत डांग बी, गोगरूढ़, दोतड़, गुरा डेढमारिया, साण्डमारिया बी, मालवा का चैरा बी, डूंगरिया व जोगीवड़ बी, फलासिया अंतर्गत मादला व लथूनी, झाड़ोल अंतर्गत काड़ा, ऋषभदेव अंतर्गत कटेव, सायरा अंतर्गत नादेशमा, गोगुन्दा अंतर्गत मजावड़ी द्वितीय दुकान के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

प्रिंटिंग प्रेस मालिकों की बैठक 18 अगस्त को

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अगस्त। नगरपालिका एवं पंचायत चुनाव-2026 के दृष्टिगत चुनाव प्रचार सामग्री के मुद्रण और प्रकाशन से संबंधित प्रावधानों की जानकारी देने के लिए 18 अगस्त, मंगलवार को शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट

मिनी सभागार में बैठक होगी। जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में उदयपुर जिले के समस्त प्रेस मालिकों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 127 (क) के तहत पेंसप्लेट, पोस्टर आदि के मुद्रण एवं प्रकाशन से संबंधित प्रावधानों व आवश्यक वैधानिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाएगी।

मेंटल वेल बीइंग के लिए सीखा हार्टफुलनेस मेडिटेशन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 14 अगस्त। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संगठन अभियांत्रिकी महाविद्यालय CTAE के सिविल डिपार्टमेंट में विद्यार्थियों के लिए मानसिक संतुलन और ध्यान की तकनीक विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन हुआ। जिसमें मेंटल वेल बीइंग के लिए हार्टफुलनेस मेडिटेशन टेक्निक सिखाई गई। यह जानकारी देते हुए डॉ. उदयपुर ने बताया कि हार्टफुलनेस मेडिटेशन टेक्निक विद्यार्थियों के लिए बेन की रिवाइविंग करती है उसके नियमित अभ्यास से मानसिक संतुलन, तनाव प्रबंधन के साथ नशा मुक्त जीवन शैली की

और कदम बढ़ाया जा सकता है। इस अवसर पर उद्बोधन देते हुए हार्टफुलनेस प्रशिक्षक श्रीमती आशा शर्मा ने प्रातःकाल किया जाने वाले हार्टफुलनेस ध्यान का लाभ बताते हुए कहा कि इसके नियमित करने से शरीर एवं मस्तिष्क संतुलित होता है। हार्टफुलनेस ट्रेनर मोहन बोराना ने मन मस्तिष्क हृदय पर पड़ने वाले प्रभाव को दूर करने की तकनीक सिखाई तथा दिव्य तत्व से जुड़ने हेतु प्रार्थना मेडिटेशन का अभ्यास कराया। इस अवसर पर विद्यार्थियों, और फैकल्टी मेंबर्स ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे बहुत उपयोगी बताया तथा प्रैक्टिकल अभ्यास के बाद सभी ने शांति एवं विचारों में परिवर्तन का अनुभव किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. यश ने आभार अभिवादन की रस्म अदा की।